24583

SDC 877

STATE BANK OF INDIA

Sl. No.

GSR / 001 : 270227

ND-S129199

RECEIPT

भारतीय स्टेट बैंक/ S.B.I
महरौली रोड गुड़गांव / M.R., Gurgaon

STATE BANK OF INDIA कोड/Code No.01565

________ Branch ________ Code No. ________

Received a sum of Rs. 9,03,500/-

(Rupees Nine Lacs Three thousand five hundred only

________ only)

from Smt. / Shri M/s Druzba Overseas Pvt. Ltd.

s/o, d/o, w/o ——— N. A. ———

residing at New Delhi for credit to Government of Haryana account towards Stamp Duty.

Date : 1 DEC 2010

Place : GU[illegible]N

(Signatures of Authorised Officer)

बयनामा

विक्रेता सुखविन्दर	:	क्रेता मैसर्स द्रुजबा ओवरसीज प्रा0 लि0,
1– किस्म वसीका	:	बयनामा
2– मालियती	:	1,29,06,250 / – रूपये
3– स्टाम्प	:	9,03,500 / – रूपये
4– गांव / शहर का नाम	:	बसई / गुड़गांव

Sukhwinder

सन्तोष मूर्ती देवी

LTI SMT KITABO

शरला

सरोज

प्रलेख नः 24583

दिनाँक 01/12/2010

डीड सबंधी विवरण		
डीड का नाम SALE WITH IN MC AREA		
तहसील/सब-तहसील गुडगांवा	गांव/शहर बसई	स्थित बसई
भवन का विवरण		
भूमि का विवरण		
चाही	1 Bigha 13 Biswansi	
धन सबंधी विवरण		
राशि 12,906,250.00 रुपये		कुल स्टाम्प डयूटी की राशि 903,500.00 रुपये
स्टाम्प की राशि 903,500.00 रुपये	रजिस्ट्रेशन फीस की राशि 15,000.00 रुपये	पेस्टिंग शुल्क 2.00 रुपये
रूपये		

Drafted By: SC. Arora Adv.

यह प्रलेख आज दिनाँक 01/12/2010 दिन बुधवार समय 1:17:00PM बजे श्री/श्रीमती/कुमारी Sukhvinder पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री/श्रीमती/कुमारी Amar Singh निवासी Basai GGN द्वारा पंजीकरण हेतु प्रस्तुत किया गया।

Sukhvinder

हस्ताक्षर प्रस्तुतकर्ता

उप / सयुँक्त पँजीयन अधिकारी
VIJAY KUMAR YADAV
गुडगांवा Joint Sub Registrar

श्री Sukhvinder

उपरोक्त विक्रेता व श्री/श्रीमती/कुमारी Thru:- Bechitrapal क्रेता हाजिर है। प्रस्तुत प्रलेख के तथ्यो को दोनो पक्षो ने सुनकर तथा समझकर स्वीकार किया। प्रलेख के अनुसार 0.00 रूपये की राशि क्रेता ने मेरे समक्ष विक्रेता को अदा की तथा प्रलेख मे वर्णित अग्रिम अदा की गई राशि के लेन देन को स्वीकार किया।

दोनो पक्षो की पहचान श्री/श्रीमती/कुमारी S.C. arora पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री/श्रीमती/कुमारी निवासी Adv. Gurgoan व श्री/श्रीमती/कुमारी Kawal singh पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री/श्रीमती/कुमारी Sukhpal singh निवासी Basai GGN ने की। साक्षी नः 1 को हम नम्बरदार/अधिवक्ता के रूप में जानते है तथा वह साक्षी नः2 की पहचान करता है।

दिनाँक 01/12/2010

VIJAY KUMAR YADAV
उप / सयुँक्त पँजीयन अधिकारी
गुडगांवा

5– रकबा : 1 बीघा 0 बिसवा 13 बिसवानसी

6– किस्म अराजी : चाही

7– स्टाम्प विक्रेता : एस0बी0आई0, महरौली रोड़, गुड़गांव।

8– स्टाम्प नं0/ तारीख : क्रमाक न0 GSR/001/

मनके सुखविन्दर पुत्र अमर सिह निवासी गाँव बसई तह0 व जिला गुड़गाँव का हूॅ ।

जो कि मे वाका मौजा बसई तह0 व जिला गुड़गाँव में अराजी खेवट नं0 273, खतौनी नं0 354 खसरा नं0 244 (3–2) कुल रकबा 3 बीघा 2 बिसवा मे से 1/3 भाग समभाग यानि कि रकबा बाकदर 1 बीघा 0 बिसवा 13 बिसवानसी के बरूये जमांबदी सन 2001–2002 व बरूये इंतकाल नं0 5663 के द्वारा मालिक व काबिज हूॅ। जोकि फरिकेन श्रीमति किताबो विधवा व श्रीमति मूर्ति –सन्तोष –सरोज –सरला उर्फ लीलू पुत्रीयान स्वर्गीय अमर सिह सहमतिकर्ता एवं वारिसयान मृतक श्री अमर सिह पुत्र रामशरण बरुवे इंतकाल नं0 5663 विरासत जोकि वसीयत नं0 339 दिनांक 01–09–1998 के आधार पर दर्ज किया गया है और सभी उपरोक्त सहमतिकर्ता की सहमति व रजा बन्दी से वसीयत विरास्त इंतकाल नं0 5663 दर्ज होकर मन्जूर हुआ है ओर उपरोक्त फेरिकनो ने इस बयनामे मे अपनी सहमति के आधार पर अपने हस्क्षार किये हुऐ है । जोकि उपरोक्त रकवा ताहाल हर किस्म के भार से पाक व साफ है। इस पर कोई सरकारी या गैरसरकारी भार व कर्जा नहीं है, ना ही उपरोक्त विक्रय अराजी की बाबत कोई मुकदमा किसी भी अदालत में विचाराधीन है, ना ही उपरोक्त अराजी की बाबत विक्रेता ने आज से पहले किसी दीगर शक्स के साथ कोई इकरारनामा, बय, रहन, पट्टा, तबादला, हिब्बा, आदि किया हुआ है, ना ही उपरोक्त विक्रय अराजी एक्वारमैंट ना है, ना ही सरप्लस में है, ना ही उपरोक्त अराजी की बाबत अपने किसी कानूनी वारिसान के नाम

Sukahvinder

सन्तोष मूर्ति देवी

LTI Smt KITABO

सरला सरोज

Reg. No.	Reg. Year	Book No.
24583	2010-2011	1

विक्रेता

क्रेता

गवाह

विक्रेता
Sukhvinder________________

क्रेता
Thru:- Bechitrapal________________

गवाह 1:- S.C. arora________________ गवाह 2:- Kawal singh________________

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि यह प्रलेख क्रमांक 24,583 आज दिनाँक 01/12/2010 को बही न: 1 जिल्द न: 9,753 के पृष्ठ न: 140 पर पँजीकृत किया गया तथा इसकी एक प्रति अतिरिक्त बही सख्या 1 जिल्द न: 832 के पृष्ठ सख्या 52 से 53 पर चिपकाई गयी। यह भी प्रमाणित किया जाता है कि इस दस्तावेज के प्रस्तुतकर्ता और गवाहो ने अपने हस्ताक्षर/निशान अंगुठा मेरे सामने किये है ।

VIJAY KUMAR YADAV
उप / सयुंक्त पँजीयन अधिकारी
गुडगांवा

दिनाँक 01/12/2010

कोई कोर्ट डिक्री आज से पहले की है। यह कि उपरोक्त रकवे पर किसी का मौरूसी या गैरमौरूसी हक व हकूक ना है यानि उपरोक्त विक्रय अराजी ताहाल हर प्रकार के भार से पाक व साफ है। अगर उपरोक्त रकवे पर कोई भी रहन, पट्टा, तबादला, हिब्बा, मौरूसी या गैरमौरूसी पाया जाता है तो उसका हम स्वयं जिम्मेदार होगे वह हम ठीक कराकर देगें व भूमि से किसी प्रकार की मिट्टी ना उठाई गयी है तथा जमीन का लेवल समतल है। अब विक्रेता को बराये सुधार दीगर जायदाद व जरूरत खानगी व सारे परिवार की सहमति से परिवार की जरूरत पूरा करने के लिये रूपयों की जरूरत है इसलिए आज अपने ठीक होश व हवास में बगैर किसी दबाव के अपनी मर्जी व खुशी से अपना सम्पूर्ण हिस्सा अपनी उपरोक्त आराजी रकबा यानि कि कुल 1 बीघा 0 बिसवा 13 बिसवानसी को मय सर्व अधिकार सहित व हक हकूक दाखिली खारिज के बदले मु0 1,29,06,250/– रूप्ये (एक करोड उन्नतिस लाख छ हजार दो सो पचास रूप्ये केवल) आधे जिनके मुबलिग /– रूपये होते हैं, बाहकः क्रेता मैसर्स द्रुजबा ओवरसीज प्रा0 लि0, एम–11,मिडिल सर्किल कनॉट प्लेस नई दिल्ली को बय व फरोक्त कतई कर दी है। कुल जरे बय बजरिये चैक व नकद वसूल पा लिए है। जोकि निम्न प्रकार से है –

सुखविन्दर ने मु0 10,000 /– रूप्ये नकद व मु0 4,40,000 /– रूप्ये बजरिए चैक नं0 000137 दिनांक 25–02–2006 व मु0 60,03,125/– बजरिए चैक नं0 122333 दिनांक 30–11–2010 व मु0 64,53,125/– बजरिए चैक नं0 122334 अदाकर्ता बैंक सिटी बैंक नई दिल्ली द्वारा वसूल पा लिऐ है। अब मजकूर खरीदार कम्पनी के जिम्मे किसी किस्म का कोई लेन–देन बाकी नहीं रहा है। कब्जा मौके पर मजकूर खरीदार कम्पनी को उपरोक्त नम्बरान पर कब्जा देकर पूर्ण रूप से अपने जैसा मालिक व काबिज बना दिया है। मैंने खरीदार कम्पनी को उपरोक्त किला नम्बरान पर कब्जा दे दिया है। जोकि अभी से पहले सिर्फ मेरा/हमारा कब्जा ही उपरोक्त किला नम्बरान पर था। और उपरोक्त रकबा और किला नम्बरान से मेरे/हमारे अलावा किसी और का ना ही कोई वास्ता था और ना ही किसी और का कब्जा उपरोक्त रकबा और कीला नम्बरान पर था। अब मजकूर खरीदार कम्पनी अराजी

Sukhvinder

सन्तोष मूर्ती देवी

LTI Smt Kitabo

सरला सरोज

मुबईया को जिस तरह चाहे इस्तेमाल करे विक्रेता को कोई उजर व ऐतराज नहीं होगा। विक्रेता कागजात माल रिकार्ड में मजकूर खरीदार कम्पनी के नाम दाखिल खारिज दर्ज व मंजूर करा देगा। अगर विक्रेता कागजात माल रिकार्ड में मजकूर खरीदार कम्पनी के नाम दाखिल खारिज दर्ज व मंजूर ना करा पावे तो मजकूर खरीदार कम्पनी को हक हासिल होगा कि हजां दस्तावेज की रूह से कागजात माल रिकार्ड में अपने नाम दाखिल खारिज दर्ज व मंजूर करा लेवे जिसमें विक्रेता को किसी किस्म का कोई उजर व एतराज ना होगा। आगे भविष्य में रकबा मजकूरा बाला या इसका कोई हिस्सा किसी नुक्स कानूनी या मलकियत के सवाल पर कब्जा खरीदार कम्पनी से निकल जावेगा तो विक्रेता वापसी कुल जरे बय मय हरजा वा खरचा मय लागत की अदायगी की जिम्मेवार रहेंगे। अब मेरा व मेरे किसी वारिसान का आराजी मुबईया से कोई ताल्लुक व वास्ता किसी किस्म का नहीं रहा है। मैं व मेरे वारिसान इस तहरीर के पाबन्द रहेंगे। तमाम् रजिस्ट्री खर्चा यानि स्टाम्प डयूटी व रजिस्ट्रेशन फीस इत्यादि खर्चा मजकूर खरीदार कम्पनी ने अपनी तरफ से किया है।

अतः यह बयनामा खूब सोच समझ कर, पढ़वाकर, सुनकर, हाजिर गवाहन लिख दिया कि सनद रहे ताकि आगे भविष्य में बावक्त जरूरत काम आवे। तहरीर तारीखः

Subhash Chandra Arora
Advocate
Distt. Courts, Gurgaon

ह0 सुखविन्दर विक्रेता
Sukhvinder

ह0 कम्पनी क्रेता
श्री बचित्रपाल सिंह
(बजरिए अधिकृत प्रतिनिधि)

ह0 श्रीमति किताबो विधवा सहमतिकर्ता

ह0 श्रीमति मूर्ति सहमतिकर्ता
मूर्ति देवी

ह0 सन्तोष सहमतिकर्ता
सन्तोष

ह0 सरोज सहमतिकर्ता
सरोज

ह0 सरला उर्फ लीलू सहमतिकर्ता
सरला

गवाह नं0 1

Subhash Chandra Arora
Advocate
Distt. Courts, Gurgaon

गवाह नं0 2
Kawal Singh
Kawal Singh S/o Sh Sukhpal
Vi P.O Bassai
Dist Gurgaon

THE SEAL OF